भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4543
19.07.2019 को उत्तर के लिए

वेम्बनाड झील का संरक्षण

4543. श्री थोमस चाज़िकाडन:

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2014 से अब तक वेम्बनाड झील की सफाई में कोई सहायता प्रदान की है;

(ख) यदि हां, तो आवंटित की गई कुल धनराशि और इस धनराशि के उपयोग के प्रतिशत सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा वेम्बनाड झील के संरक्षण और सुरक्षा के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ग) मंत्रालय ने 2017-18 में केरल सरकार को 60:40 की साझा लागत आधार पर 140.75 लाख रूपए की धनराशि, जिसमें 84.45 लाख रूपए केंद्रीय के हिस्से के रूप में और 56.30 लाख रूपए राज्य के हिस्से के रूप में शामिल है, जारी की है। संरक्षण गतिविधियों जैसे एकीकृत नमभूमि सूची और आकलन, एकीकृत नमभूमि प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण और संसाधन सामग्री का सृजन, जैवविविधता संरक्षण, जलग्रहण प्रबंधन और मैंग्रोव बहाली आदि के लिए अनुदान की मंजूर किया गया। चुकि, राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान अनुदान का उपयोग नहीं किया जा सका था अत: वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए समग्र अनुदान को पुन: मंजूर किया गया था। अगस्त, 2018 के दौरान आई भयंकर बाढ़ से केरल प्रभावित हुआ, वेम्बनाड झील के प्रबंधन कार्य योजना के तहत कार्यकलापों को अभी तक पूरा नहीं किया गया। इसलिए, मौजूदा वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए समग्र धनराशि को पुन: मंजूर किया गया है।

रामसर स्थल होने की वजह से नमभूमियों के अंदर गतिविधियों को विनियमित करने के लिए बनाए गए नमभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 वेम्बनाड झील पर भी लागू होते हैं। इन नियमों के अनुसार, केरल सरकार द्वारा केरल राज्य नमभूमि प्राधिकरण (एसडब्ल्यूएके) गठित किया गया, जो वेम्बानाड झील संबंधी संरक्षण गतिविधियों पर नजर रखता है।

राज्य सरकार ने वेम्बनाड झील के संरक्षण और प्रबंधन के लिए विभिन्न कार्यकलापों को किया जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, नमभूमि विधान संबंधी ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देना भी शामिल है।

केरल राज्य नमभूमि प्राधिकरण वेम्बानाड झील के अंदर और आस-पास के क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देता है और शुरू की गई कुछ योजनाएं इस प्रकार हैं :

(i) अल्पुझा जिले के कुट्टानाड के ऊपर के क्षेत्र में बाढ़ का भंयकर प्रभाव मछलियों, पक्षियों और तितलियों की विविधता पर पड़ा है।

(ii) नेटूर क्षेत्र में नमभूमि और स्थिर मैंग्रोव वनीकरण संबंधी गतिविधियां, वेम्बनाड झील में जैवविविधता आकलन।

******